64-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം, തൃശ്ശൂർ ★ പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി ★
തീയതി........................

नारियाँ - नौकरी क्षेत्रों में

- भूमिका
- नारियाँ की महत्व
- समाज में नारी की क्या स्थान है ?
- नारी सशक्तीकरण
- आधुनिक काल की नारियाँ
- नारियाँ - नौकरी क्षेत्रों में
- उपसंहार

भूमिका

हमारी देश में नारियाँ बहुत हैं। नारी के बिना इस देश कुछ नहीं है। हमारी देश में अगर ~~वह~~ कई तरह की विकास हुआ तो उसमें नारी की भी बहुत बड़ा हिस्सा है। ~~व~~ लेकिन कई देश में ~~नारी~~ नारी को कोई स्थान नहीं मिलता। वह सिर्फ ~~एक~~ काम करने वाला मशीन की तरह लोग देखती है। ~~लेकिन~~ चार दिवारों की अंदर

बंद रहने वाले कोई नही है नारी। उन्हे पुरुषों के बराबर स्थान हमारे समाज में देना चाहिए।

→ नारियाँ की महत्व

नारी को है बहुत सपना
पर पुरा करती वो दूसरे की इच्छा

नारियाँ हमें बहुत जरूरत है। अगर उसे कोई सपना है तो वो उसका सपना छोड़कर दूसरी लोगों की सपना पूरा करता है। सचमें इस दुनियाँ में नारी को कोई आज़ाद नही है। अगर कोई महिलाएँ रात को अकेला बाहर निकला तो उसे बहुत खतरा हो सकता है। लेकिन आज ऐसा प्रश्न बहुत कम है। एक नारी के बिना पुरुष कुछ भी नही है। क्योंकि अगर ~~है~~ पुरुषों को कुछ हुआ तो उसके पास बैठकर सिर्फ एक नारी ही उसका देखभाल करता है। आज नारियाँ कई विधा के काम कर रहे है। उसके साथ ही वह घर का सारे काम करती है। एक नारी एक भगवान

की समान है। सिर्फ एक नारी ही बहुत अधिक बोझ उठाते हैं।

→ समाज में नारी की क्या स्थान है ?

पहले समाज में नारी की कोई स्थान नही था। वह सिर्फ घर के काम और पती, बच्चों को देखने वाला एक था। उन्हें घर से बाहर निकलने के भी अधिकार नही था। लेकिन आज हमारा समाज बदल गया। आज नारियाँ बाहर जाकर काम करना शुरू किया है। हमारे समाज में आज नारी को पुरुषों के बराबर अधिकार है। आज नारियाँ कई विधा के काम कर रहे हैं। उन्हें उनकी आज़ादी से जीने का हक मिल गया है। नारियाँ आज किसी को भी डरने की जरूरत नही है। अगर उसे कोई परेशान किया तो मदद करने केलिए अलग विधा की सिस्टम आज हमारा देश में है। ~~हमारा~~ हमारा समाज अब बहुत विकास हुआ है।

→ नारी सशक्तीकरण

नारी सशक्तीकरण से आज ~~नाय~~ नारियाँ बहुत आज़ादी से जी रही है। वह अपनी शक्ति को बाहर निकलना शुरू किया है। नारियाँ बहुत शक्ती शाली है। ~~उस~~ उसकी सशक्तीकरण से आज वो ~~इल~~ इलकशण केलिए भी ~~खड़~~ खड़ी रही है। नारी के बिना ये समाज पूरा नही हो सकता। नारियाँ की मदद से भी इस देश में कई विकास हो रहा है। एक स्त्री और एक पुरुष मिल कर कोई काम करे तो ~~उन~~ उन्हे एक दुनिया पूरे तरह से बदल सकती है। स्त्री सशक्तीकरण से ही ही ~~नारियाँ~~ नारियाँ को कई जगह पर स्थान मिल गया है।

→ आधुनिक काल की नारियाँ

आधुनिक काल में नारी एक नौकर जैसा था। उसे सिर्फ घर के ~~अद~~ अंदर रहना था। ~~घर, और~~ उसकी पति, माता-पिता, ~~के~~ बच्चे को देख कर घर की अंदर उसे बैठना था। उसे स्वतत्रंता नही

था। अगर एक स्त्री की पती मर गया तो दूसरे पुरुषों को शादी करना या किसी पुरुष को देख भी नही सकता था। उन्हें कोई आज़ाद नही था। स्त्री के चेहरे एक अन्य पुरुष भी देख नही सकता था। सच कहें तो स्त्री एक गुलाम था। आज भी हमारे दुनिया में ऐसा रहने वाला नारियाँ है। ऐसा एक अनुभव मुझे खुद हुआ था। एक दिन जब मैं मेरी दोस्त की घर गया तो वहाँ की एक स्त्री, जिसका पती मर गया था, उसे अपने खुद की बेटा को देखने की आज़ाद नही था। उस बेटे को कोई और देखता था। वह देखकर मुझे बहुत दुःख लगा। उससे मैं समझा की आज भी कई नारियाँ घर की अंदर बंद है।

→ नारियाँ - नौकरी क्षेत्रों में

आज हमारे समाज की पूरे नारियाँ कई विधा के नौकरी क्षेत्रों में शामिल है। आज नारी को इलेक्शण में खड़ी रहने के इजाज़त भी मिल गया है। आज देखे तो हर जगह पर सिर्फ नारियाँ

ही है। नारी के बिना आज कोई ~~क्ष~~ क्षेत्र ही नहीं है। आज नारियाँ कई क्षेत्रों में काम कर रहे हैं तो वह सिर्फ ~~नारि~~ नारियाँ की ही नहीं, महान व्यक्ति जैसे महात्मा ~~गाँधिजी~~ गाँधीजी की भी प्रभाव के कारण हुआ है। गाँधी जी ने महिलाओं को आज़ाद मिलने केलिए बहुत कठिन परिश्रम की है। तो आज नारियाँ बहुत बड़े-बड़े नौकरी क्षेत्रों में रही है।

→ उपसंहार

नारी एक माँ, पत्नी, सहेली ~~ऐ~~ ऐसा कई विधा में रह कर जी रही है। हम सबको नारियाँ को आदर करना ~~सीखना~~ चाहिए। एक स्त्री को एक पुरुष जैसा अधिकार और सम्मान करना चाहिए। एक नारी के बिना एक बच्चे भी नहीं ~~है~~ होता है। ~~इसलिए~~ आज नारियाँ ~~बहुत~~ नौकरी क्षेत्रों में भी है। वह एक नारी को मिला हुआ बड़ी आज़ादी ही है। आजादी एक नारी को ज़रूर मिलना चाहिए। तभी हमारा देश को आज़ाद मिलती है....।